History

History

इतिहास

प्राचीन भारत	मध्यकालीन	आधुनिक
मानव का उद्भव - 712 AD	712 AD - 1707	1707 - 1947
मो. बिन कासिम		
हिन्दू	मुस्लिम	ब्रिटिश

भारतीय इतिहास का वर्गीकरण

प्राचीन भारत	मध्यकालीन भारत	आधुनिक भारत
(मानव के उद्भव से 712 AD)	(712 AD से 1707 AD)	(1707- 1947)
मो. बिन क़ासिम का आक्रमण	औरंगज़ेब की मृत्यु	भारत की आज़ादी तक

जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास का वर्गीकरण हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश काल के रूप में किया है ।

हिंदू काल मुस्लिम काल ब्रिटिश काल

प्राक् ऐतिहासिक काल	आद्य ऐतिहासिक	ऐतिहासिक
पुरातात्विक साक्ष्य ✓✓	पु. सा ✓✓	पु. सा ✓✓
→ लिखित साक्ष्य ×××	लिखित साक्ष्य (पढ़. ××) ✓	लिखित सा ✓✓ (पढ़..)
कृषि ×××	कृषि ✓✓	कृषि ✓✓
→ पुरापाषाण काल, मध्य पाषाण ✓✓	ताम्रपाषाण ✓, सिंधु, वैदिक	→ 600 BC से बाद

प्राक् ऐतिहासिक काल	आद्य ऐतिहासिक काल	ऐतिहासिक काल
पुरातात्विक साक्ष्य ✓ लिखित साक्ष्य x कृषि x	पुरातात्विक साक्ष्य ✓ लिखित साक्ष्य (पढ़ा न जा सका हो) ✓ कृषि ✓	पुरातात्विक साक्ष्य ✓ लिखित साक्ष्य (पढ़ लिया गया हो) ✓ कृषि ✓
पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल	नव पाषाण काल, ताम्र पाषाण काल, सिंधु घाटी की सभ्यता, वैदिक काल	600 ईस्वी पूर्व के बाद का काल

पाषाण काल

पुरापाषाण काल	मध्य पाषाण काल	नवपाषाण काल
→ 10 लाख BC - 10,000 BC	10,000 - 7000	7000 - 3000 ई.पू.
→ चित्रकला [illegible] साक्ष्य भीमबेटका	→ छोटे और धारदार (सूक्ष्मपाषाण)	पॉलिश्ड दार
→ शिकारी (महा.)	→ लकड़ी, भाला, तीर/धनुष	→ कृषि — गेहूं और जौ
→	→ छोटे	स्थायी
→	→ पशुपालन	→ मृदभांड
अग्नि [illegible]	~~[illegible]~~ अग्नि पर नियंत्रण	→ पहिया (आग [illegible])
	स्थायी ✗✗	

मेहरगढ़ - गेहूं और जौ

कोल्डिहवा → चावल

लहुरादेव

पाषाण काल

- पाषाण काल- वो काल खंड जब मानव पत्थरों के औज़ार और हथियारों का प्रयोग करता था उसे पाषाण काल कहते हैं।
- भारत में सर्वप्रथम 1863-64 ई० में रार्बट ब्रुस फ़्रूट ने पाषाणकालीन सभ्यता की खोज की। उन्होंने सर्वप्रथम हस्त कुठार (hand axe) की खोज पल्लावरम (तमिलनाडु)से की थी।
- लिपि की खोज और उसके कूट किए जाने के आधार पर नामकरण जॉन ब्रूस ने किया। (प्राक्,आद्य और ऐतिहासिक काल)

पाषाण काल

पुरापाषाण काल	मध्यपाषाण काल	नवपाषाण काल
10 लाख BC से 10,000 BC तक	10,000 BC से 7000 BC तक	7000 BC से 3000 BC तक
बड़े और रूखे पाषाण औज़ार	छोटे पाषाण औज़ार (सूक्ष्म पाषाण) तीर- धनुष और भाले का आविष्कार	पालिशदार पाषाण औज़ार
बड़े जानवर का शिकार और खाद्य संग्रहण	पशुपालन	कृषि
सामूहिक शिकार		
स्थाई निवास X	स्थाई निवास X	स्थाई निवास ✓

पाषाण काल

पुरापाषाण काल

अग्नि की जानकारी ✓

अग्नि पर नियंत्रण X

चित्रकला के साक्ष्य
भीमबेटका (रायसेन ज़िला) मध्य प्रदेश

महाराष्ट्र के पाटन से शतुर्मुर्ग के अंडे का टुकड़ा मिला है

बोरी (महाराष्ट्र), सोहन घाटी (पंजाब पाकिस्तान),

मध्यपाषाण काल

अग्नि पर नियंत्रण ✓

बागौर (राजस्थान), सराय नाहर राय (प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश)
आदमगढ (मध्यप्रदेश)

नवपाषाण काल

प्रथम कृषि गेहूं और जौ

गर्तवाश के साक्ष्य बूर्जहोम (कश्मीर)

पहिए का आविष्कार

मृदभांड का आविष्कार

हड्डियों का औज़ार (चिराँद बिहार,सारण)

कर्नाटक के मैसूर के पास संगनकल्लू नामक नवपाषाण कालीन पुरास्थल से राख के टीले प्राप्त हुए हैं।

मेहरगढ़- यह पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान में स्थित है। यहाँ से सर्वप्रथम 7000 ई० पू० सुलेमान और किरथर पहाड़ियों के बीच कृषि के साक्ष्य जौ एवं गेहूँ मिली थी।

कोल्डीहवा - यह उत्तरप्रदेश के बेलनघाटी में स्थित है। यहाँ पर चावल का प्राचीनतम साक्ष्य (6000 ई० पू०) मिला है।

लहुरादेव -(संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश) यहाँ से सबसे नवीनतम प्राचीन चावल का साक्ष्य (9000 ई० पू०-7000 ई० के बीच) प्राप्त हुआ।

बुर्जहोम - यह कश्मीर में अवस्थित है। यहाँ गर्तावास का प्रमाण मिला है। यहाँ से मालिक के साथ कुत्ते को दफनाने का साक्ष्य मिला है।

चिरांद - यह बिहार के सारण जिले में स्थित है। यहाँ से प्रचुर मात्रा में हड्डी के उपकरण प्राप्त हुए।

दमदमा- (प्रताप गढ़ उत्तर प्रदेश)यहाँ एक ही कब्र से तीन मानव कंकाल मिले हैं।

भीमबेटका के अलावा केरल में एज्हुथु गुहा (ज़िला इड्डी) में भी शैलचित्र मिले हैं।

कर्नाटक के गुलबर्गा ज़िले के इमामपुर में पत्थर के औज़ार बनाने के केंद्र का पता चला है

पाषाण

↓

ताँबा + टिन = कांसा